दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 26-09-2025

चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी की सहायक प्रो. डॉ. निशा देऊपा विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल

जींद| सीआरएसयू के भौतिकी विभाग की सहायक प्रो. डॉ. निशा देऊपा का नाम प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी यूएस और एल्सेवियर द्वारा हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हुआ है। इससे पहले भी उन्हें 2023 और 2024 में भी यह उपलब्धि प्राप्त हो चुकी है। लगातार तीसरी बार उनका नाम इस सूची में शामिल हुआ है जो देश के लिए भी गौरव की बात है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित यह सूची पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं का गहन विश्लेषण करने के बाद तैयार की जाती है। इसमें वैज्ञानिकों के शोध-पत्रों की संख्या, उद्धरण, एच-इंडेक्स, सह-लेखन, और उनके शोध के प्रभाव जैसे कई मापदंडों को शामिल किया जाता है। विश्व के लाखों वैज्ञानिकों में से चुनिंदा 2 प्रतिशत का इस सूची में स्थान पाना अत्यंत कठिन और सम्मानजनक उपलब्धि है। डॉ. निशा ने भौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य करते हुए 57 अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशन पत्रिकाओं में अपने शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं और भारत सरकार एवं यूनाइटेड किंगडम द्वारा स्वीकृत कुल 3 पेटेंट्स भी हासिल किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि ये हमारे लिए बहुत ही गर्व का विषय है। कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन और भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार ने डॉ. निशा देऊपा को शुभकामनाएं दी।

अमर उजाला

Date – 26/09/2025

डॉ. निशा तीसरी बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों में शामिल

सहायक प्रोफेसर डॉ. निशा देऊपा को बधाई देते कुलपति डॉ. रामपाल सैनी। स्रोत विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. निशा देऊपा का नाम प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी यूएस और एल्सेवियर द्वारा हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में विश्व के सर्वश्रेष्ठ दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हुआ है।

इससे पहले भी उन्हें 2023 और 2024 में भी यह उपलब्धि मिल चुकी है। लगातार तीसरी बार उनका नाम इस सूची में शामिल हुआ है। यह विश्वविद्यालय ही नहीं बल्कि प्रदेश और भारत के लिए भी गौरव की बात है।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की ओर से प्रकाशित यह सूची पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं का गहन विश्लेषण करने के बाद तैयार की जाती है। इसमें वैज्ञानिकों के शोध-पत्रों की संख्या, उद्धरण, एच-इंडेक्स, सह-लेखन, और उनके शोध के प्रभाव जैसे कई मापदंडों को शामिल किया जाता है।

विश्व के लाखों वैज्ञानिकों में से चुनिंदा दो प्रतिशत का इस सूची में स्थान पाना अत्यंत कठिन और सम्मानजनक उपलब्धि है। डॉ. निशा ने भौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य करते हुए 57 अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशन पत्रिकाओं में अपने शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं। भारत सरकार व यूनाइटेड किंगडम की ओर से स्वीकृत कुल तीन पेटेंट्स भी हासिल किए हैं।

कुलपति प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे लिए बहुत ही गर्व का विषय है। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन और भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार ने डॉ. निशा देउपा को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी शिक्षक का इस सूची में शामिल होना ही बड़ी बात है।

डॉ. निशा का लगातार तीसरी बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में नाम आना उनकी निरंतर मेहनत और शोध के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

पंजाब केसरी

Date – 26/09/2025

सी.आर.एस.यू. की सहायक प्रोफैसर तीसरी बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल

जींद, 25 सितम्बर (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की सहायक प्रोफैसर डॉ. निशा देऊपा का नाम प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी यू.एस. और एल्सेवियर द्वारा हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हुआ है।

इससे पहले भी उन्हें 2023 और 2024 में भी यह उपलब्धि प्राप्त हो चुकी है। लगातार तीसरी बार उनका नाम इस सूची में शामिल हुआ है जो कि सिर्फ विश्वविद्यालय या जींद ही नहीं बल्कि हरियाणा प्रदेश और भारत के लिए भी गौरव की बात है।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित यह सूची पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्त्ताओं का गहन विश्लेषण करने के बाद तैयार की जाती है। इसमें वैज्ञानिकों के शोध-पत्रों की संख्या, उद्धरण, एच. इंडैक्स, सह-लेखन और उनके शोध के प्रभाव जैसे कई मापदंडों को शामिल किया जाता है। विश्व के लाखों वैज्ञानिकों में से चुनिंदा 2 प्रतिशत का इस सूची में स्थान पाना अत्यंत कठिन और सम्मानजनक उपलब्धि है।

वी.सी. प्रो. रामपाल सैनी सहायक प्रोफैसर को बधाई देते हुए।

डॉ. निशा ने भौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य करते हुए 57 अंतर्राष्ट्रीय शोध प्रकाशन पत्रिकाओं में अपने शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं और भारत सरकार एवं यूनाइटेड किंगडम द्वारा स्वीकृत कुल 3 पेटैंट्स भी हासिल किए हैं। इस वर्ष की सूची अगर हम बात करें तो भारत से कई प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु से वैज्ञानिक शामिल हैं। ऐसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के बीच डॉ. निशा देऊपा का चयन चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय और हरियाणा राज्य एवं भारत के लिए गर्व की बात है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने बधाई देते हुए कहा कि ये हमारे लिए बहुत ही गर्व का विषय है कि हमारे विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफैसर का नाम उनके शोध कार्यों की वजह से पूरे विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल हुआ है। यह उपलब्धि केवल विश्वविद्यालय के लिए ही नहीं, बल्कि हरियाणा और पूरे भारत के लिए है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि ज्ञान, शोध और परिश्रम से दुनिया में कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि डॉ. निशा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं सहकर्मी शिक्षकों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

कुलसचिव प्रोफैसर लवलीन मोहन और भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार ने डॉ. निशा देऊपा को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी शिक्षक का इस सूची में शामिल होना ही बड़ी बात है, लेकिन उनका लगातार तीसरी बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में नाम आना उनकी निरंतर मेहनत और शोध के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

India Timer

Date – 26/09/2025

सटीक नजर-सबकी खबर INDIA TIMER

इंडिया टाइमर

www.indiatimer.com indiatimer1@gmail.com indiatimer1 वर्ष : 12 || अंक : 3 || जीन्द, 26 सितंबर 2025 || पृष्ठ : 4 || मूल्य : 3 रुपए INDIATIMER @indiatimer1

इंडिया टाइमर में विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
मोबाइल : 9050007221 9467504707

सीआरएसयू की सहायक प्रोफेसर डॉ. निशा देऊपा तीसरी बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल

शोध और परिश्रम से दुनिया में कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता : वीसी

संजय शर्मा

जींद, (इंडिया टाइमर) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के भौतिकी विभाग किं सहायक प्रोफेसर डॉ. निशा देऊपा का नाम प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी यूएस और एल्सेवियर द्वारा हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हुआ है। इससे पहले भी उन्हें 2023 और 2024 में भी यह उपलब्धि प्राप्त हो चुकी है। लगातार तीसरी बार उनका नाम इस सूची में शामिल हुआ है जो कि सिर्फ विश्वविद्यालय या जींद ही नहीं बल्कि हरियाणा प्रदेश ओर भारत के लिए भी गौरव की बात है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित यह सूची पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं का गहन विश्लेषण करने के बाद तैयार की जाती है। इसमें वैज्ञानिकों के शोध-पत्रों की संख्या, उद्धरण, एच-इंडेक्स, सह-लेखन, और उनके शोध के प्रभाव जैसे कई मापदंडों को शामिल किया जाता है। विश्व के लाखों वैज्ञानिकों में से चुनिंदा 2 प्रतिशत का इस सूची में स्थान पाना अत्यंत कठिन और सम्मानजनक उपलब्धि है। डॉ. निशा ने भौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य करते हुए 57 अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशन पत्रिकाओं में अपने शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं और भारत सरकार एवं यूनाइटेड किंगडम द्वारा स्वीकृत कुल 3 पेटेंट्स भी हासिल किये है। इस वर्ष की सूची में भारत से कई प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे की भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु से वैज्ञानिक शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने बधाई देते हुए कहा कि ये हमारे लिए बहुत ही गर्व का विषय है कि हमारे विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर का नाम उनके शोध कार्यों की वजह से पूरे विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल हुआ है। यह उपलब्धि केवल विश्वविद्यालय के लिए ही नहीं, बल्कि हरियाणा और पूरे भारत के लिए है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि ज्ञान, शोध और परिश्रम से दुनिया में कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि डॉ. निशा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं सहकर्मी शिक्षकों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन और भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार ने डॉ. निशा देउपा को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी शिक्षक का इस सूची में शामिल होना ही बड़ी बात है, लेकिन डॉ. निशा का लगातार तीसरी बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में नाम आना उनकी निरंतर मेहनत और शोध के प्रति समर्पण को दर्शाता है। विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने भी डॉ. निशा देउपा को इस ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमे चमकती हुई प्रतिभा पर गुमान है।